Bhajankilyrics

सुनलो वनिती हे पवन कुमार

Downloaded on: May 1, 2025

सुनलो वनिती हे पवन कुमार सुनलो वनिती हे पवन कुमार, तन मन से तेरी करता हूँ पूजा, सुन लो मेरी पुकार।। माथे तलिक हाथ में घोटा, कांधे जनेऊ सोहे, लाल बदन अरू लाल लंगोटा, सबके मन को मोहे, घर-घर में हैऽऽऽ, ज्योति जगे तेरी, महिमा अपरम्पार, सुन लो वनिती हे पवनकुमार।। अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, शंकर के अवतारी, बज्र देह अतुलति बल बुद्धि, पूजें सब नर नारी, चढ़े चूरमाऽऽऽ, ध्वजा नारयिल, सरि पर छत्र हजार, सुन लो वनिती हे पवनकुमार।। सालासर में धाम तुम्हारा, मेंहदीपुर छवि न्यारी, पुनरासर और डूंगरगढ़ में, तेरी महिमा भारी, चैत्र सुदीऽऽऽ, पूनम को आवैं, लाखों ही नर-नार, सुन लो वनिती हे पवनकुमार।। इस कलयिुग में तेरे जैसा, देव नहीं कोई दूजा, 'श्रीमानस-मण्डल' सरल भाव से, करता है तेरी पूजा, 'परशुराम' भीऽऽऽ, करता है तेरी, वनिती बारम्बार, सुन लो वनिती हे पवनकुमार।। सुनलो वनिती हे पवन कुमार, तन मन से तेरी करता हूँ पूजा, सुन लो मेरी पुकार।।

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.